

**«Наши
пернатые
друзья»**

***Птицы -это
песнь и полёт!***



**Птицы- дети
воздуха, покорители
воздушного океана**



Птицы- дети радуги.



Птицы -верные наши ПОМОЩНИКИ



**Птицы- это тайна и
красота.**

Птицы- наши друзья!



Синица



Чиж



Грач



Скворец



Зарянка



Горихвостка



Зяблик



Свиристель



Цапля



| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | с | о | в | а | | | |
| ж | а | в | о | р | о | н | о | к | |
| в | о | р | о | н | а | | | | |
| | с | и | н | и | ц | а | | | |
| к | л | ё | с | т | | | | | |
| | с | к | в | о | р | е | ц | | |
| | | п | е | л | и | к | а | н | |
| | с | о | л | о | в | е | й | | |
| | с | н | е | г | и | р | ь | | |
| в | е | р | т | и | ш | е | й | к | а |
| | | | д | я | т | е | л | | |

Птица- рыболов

Птица- плотник

Птица- строитель

поползень

Лесная кошка

Птица – акробат

Пернатый солист

Ночной хищник

Легкомысленная мамаша

соловей

ласточка

баклан

иволга

кукушка

дятел

сова









«ПРОСЬБА»

Раненая птица в руки не давалась,
Раненая птица птицей оставалась.
Этот сон давнишний до сих пор мне снится:
На траве кровавой вздрагивает птица.
Птицы, рыбы, звери в душу людям смотрят.
Вы их жалеете, люди! Не убивайте зря!
Ведь небо без птиц- не небо,
А море без рыб – не море,
А земля без зверей – не земля.
Люди- исполины, люди – великаны,
Есть у вас винтовки, сети и капканы.
Есть у вас бесстрашье, сила есть навечно.
И должно быть сердце. Сердце человечесье!
Люди- человеки, страны и народы,
Мы теперь навеки должники природы!
Надо с этим долгом как-то расплатиться,
Пусть расправит крылья раненая птица!

Спасибо за работу!
Молодцы!